

वैश्विक तनाव से बढ़े तेल के दाम

बढ़ती अस्थिरता ने तेल आपूर्ति बाधित होने की आशंका को और गहरा कर दिया

नई दिल्ली, 18 मई वैश्विक तेल बाजार में सोमवार को जोरदार उछाल देखने को मिला, क्योंकि अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते राजनीतिक तनाव ने निवेशकों और व्यापारी वर्ग की चिंता बढ़ा दी है.

यह उछाल उस समय और तेज हुआ जब संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बराकाह परमाणु संयंत्र पर कथित 'आतंकी हमला' होने की खबरें आईं. इन घटनाओं के चलते तेल की आपूर्ति में बाधा आने की आशंका ने कच्चे तेल की कीमतों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा दिया.

अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड की कीमत 2.37 प्रतिशत की



वृद्धि के साथ 111.86 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई, जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड में 3.11 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई और इसकी कीमत 108.70 डॉलर प्रति बैरल हो गई. घरेलू वायदा बाजार में भी कच्चे तेल की कीमतों में तेजी देखने को मिली. मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ

इंडिया पर जून अनुबंध वाला कच्चा तेल लगभग 300 रुपये बढ़कर 9,978 रुपये प्रति बैरल पर कारोबार करता दिखा.

पिछले सप्ताह भी कच्चे तेल की कीमतों में सात प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई थी. इसका मुख्य कारण शांति समझौते की संभावनाओं में कमी और हॉर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास

तेल बाजार में तेजी तब और बढ़ गई जब संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब में झेन हमलों की नई घटनाएं सामने आईं. यूएई अधिकारियों ने बराकाह परमाणु संयंत्र पर हुए हमले की जांच शुरू कर दी है और इसे 'आतंकी हमला' करार देते हुए देश को अपने जवाब देने का अधिकार सुरक्षित रखा है. विशेषज्ञ मानते हैं कि इस प्रकार की घटनाएं वैश्विक तेल आपूर्ति और निवेशकों के विश्वास पर गंभीर असर डाल सकती हैं.

बढ़ता तनाव था. तेल बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि यह क्षेत्र पेट्रोलियम परिवहन का एक महत्वपूर्ण मार्ग है और यहां कोई भी अस्थिरता वैश्विक आपूर्ति पर सीधे असर डाल सकती है.

कपास पर 11 प्रतिशत आयात शुल्क हटाने की मांग

नई दिल्ली, 18 मई तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने केंद्र सरकार से कपास पर लगाए गए 11 प्रतिशत आयात शुल्क को समाप्त करने की मांग की है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे पत्र में उन्होंने कहा कि कपास और सूत की लगातार बढ़ती कीमतों ने देश के टेक्सटाइल और परिधान उद्योग पर भारी दबाव पैदा कर दिया है. यदि जल्द राहत नहीं दी गई तो यह उद्योग बड़े संकट का सामना कर सकता है.

मुख्यमंत्री विजय ने अपने पत्र में कहा कि पिछले दो महीनों के दौरान कपास की कीमत 54,700 रुपये प्रति कैंडी से बढ़कर 67,700 रुपये प्रति कैंडी तक पहुंच गई है. यानी कीमतों में

लगभग 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है. वहीं सूत की कीमत भी 301 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर 330 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है. इस तेजी का सीधा असर कपड़ा उद्योग की उत्पादन लागत पर पड़ रहा है, जिससे निर्यात और घरेलू बाजार दोनों प्रभावित हो रहे हैं. उन्होंने कहा कि टेक्सटाइल और परिधान उद्योग देश की अर्थव्यवस्था और रोजगार का महत्वपूर्ण आधार है. ऐसे में कच्चे माल की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी उद्योग के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गई है. आयात शुल्क के कारण उद्योग की सस्ती दरों पर कपास उपलब्ध नहीं हो पा रही है, जिससे उत्पादन लागत लगातार बढ़ रही है और उद्योग प्रतिस्पर्धा में पिछड़ सकता है.

सोना-चांदी में बदलाव, रेट में हलचल

नई दिल्ली, 18 मई . आज 18 मई 2026 को देश के सरफा बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में हल्का उतार-चढ़ाव देखने को मिला. अंतरराष्ट्रीय बाजार में जारी भू-राजनीतिक तनाव और निवेशकों की बदलती धारणा के बीच सोने की कीमतों में मामूली तेजी दर्ज की गई, जबकि कुछ समय के उतार-चढ़ाव के बाद बाजार में स्थिरता की ओर रुझान दिखा.

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एसएसएक्स) पर 24 कैरेट सोने का वायदा भाव 0.16 प्रतिशत की बढ़त के साथ 261 रुपये चढ़कर



1,58,808 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया. इससे पहले यह 1,58,547 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था. दिन के दौरान बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिला, जहां शुरुआती गिरावट के बाद बाद में खरीदारी बढ़ने से कीमतों में सुधार हुआ. इंडियन बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार भी सोने के भाव में हल्की गिरावट और तेजी

का मिश्रित रुख रहा. 24 कैरेट सोना शाम तक 1,57,739 रुपये प्रति 10 ग्राम पर दर्ज किया गया, जबकि सुबह के मुकाबले इसमें मामूली बदलाव देखने को मिला. इसी तरह 22 कैरेट, 18 कैरेट और 14 कैरेट सोने की कीमतों में भी हल्का बदलाव दर्ज हुआ. =

चांदी के बाजार में भी हल्की हलचल रही, हालांकि बड़ी गिरावट या तेजी का रुझान नहीं दिखा. विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक बाजार में डॉलर की मजबूती और कच्चे तेल की कीमतों में बदलाव के कारण कीमती धातुओं पर दबाव बना हुआ है.

अमेजन का बड़ा केशबेक दांव

नई दिल्ली, 18 मई अमेजन ने भारत के तेजी से बढ़ते वि्विक कॉमर्स बाजार में अपनी मौजूदगी मजबूत करने के लिए बड़ा कदम उठाया है. कंपनी अपनी ग्रांसरी डिलीवरी सेवा 'अमेजन नाउ' के जरिए ग्राहकों को 200 रुपये की खरीदारी पर 100 रुपये तक का केशबेक दे रही है. यह केशबेक अमेजन पे पॉइंट्स के रूप में मिलेगा. माना जा रहा है कि कंपनी का यह कदम सीधे तौर पर ब्लिंकित और जेप्टो को टक्कर देने के लिए उठाया गया है. भारत में वि्विक कॉमर्स सेक्टर तेजी से विस्तार कर रहा है.

रुपया 44 पैसे टूटकर

96.25 रुपए प्रति डालर के ऐतिहासिक निचले स्तर पर

मुंबई, 18 मई कच्चे तेल में जारी तेजी के कारण अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में शुरुआती कारोबार में रुपया सोमवार को 44 पैसे टूट गया और पहली बार एक डॉलर 96.25 रुपये का बोला गया.

पिछले कारोबारी दिवस पर भारतीय मुद्रा 17 पैसे की गिरावट में 95.81 रुपये प्रति डॉलर पर रही थी. बीच कारोबार में इसका निचला स्तर 96.14 रुपये प्रति डॉलर रहा था. रुपये पर आज शुरु से ही दबाव रहा. यह 38 पैसे नीचे 96.18 रुपये प्रति डॉलर पर खुला. फिलहाल यह 96.25 रुपये प्रति डॉलर तक टूट चुका है.

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में तेजी रही. कच्चे तेल का मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 1.8 फीसदी की बढ़त के साथ 111 डॉलर प्रति बैरल हो गया.

रिजर्व बैंक के मास्टर स्ट्रोक से डॉलर पर लगातार

विदेशी मुद्रा बाजार में सीधे डॉलर बेचे गए
व्याज दरों और एनआरआई डिपॉजिट में बदलाव

नई दिल्ली, 18 मई 2026 पिछले कुछ दशकों में जब भी रुपया गिरने की स्थिति बनी, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने समय रहते अपने मास्टर स्ट्रोक से मुद्रा को संभाला. 1998 के पोखरण परमाणु परीक्षण के बाद और 2013 में अमेरिकी फेडरल रिजर्व के संकेतों के दौरान भी , रिजर्व बैंक ने रणनीति बदलकर रुपया मजबूत किया था.

वर्तमान में ईरान युद्ध और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण रुपया फिर संवेदनशील स्थिति में है. 18 मई को डॉलर के



मुकाबले रुपया 95.40 पर था. , रिजर्व बैंक ने इस बार भी विदेशी मुद्रा बाय-सेल स्वेप नीलामी, बांड खरीद और व्याज दरों के जरिए रुपया संभालने की रणनीति

1991 के संकट की तुलना में आज भारत के पास मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार और फॉरवर्ड बुक है. साथ ही अधिकांश खाद्य सामग्री देश में ही उत्पादित होती है, इसलिए रुपए की गिरावट का असर आम जनजीवन पर सीमित है. , रिजर्व बैंक की रणनीति और सहयोगी संस्थाओं के प्रयासों के कारण वर्तमान में रुपया गिरावट से बचा हुआ है और बाजार स्थिर बना हुआ है .

एक साल तक सोना नहीं खरीदेंगे अधिकारी

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दिया मिश्रव्ययिता का बड़ा संदेश
20% रोटेशनल वर्क फ्रॉम होम होगा लागू

नई दिल्ली, 18 मई 2026, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की मिश्रव्ययिता, संसाधन-संरक्षण और आत्मनिर्भरता की अपील को प्रशासनिक अमल का रूप देते हुए केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को बड़े फैसले किए.

अधिकारियों के साथ हुई समीक्षा बैठक में एक तरफ जहां बचत, ईंधन-संरक्षण, बिजली नियंत्रण, वर्चुअल कार्यप्रणाली और सरकारी खर्च घटाने के उपाय तय किए गए, वहीं दूसरी ओर अधिकारियों ने एक वर्ष तक विशेष पारिवारिक परिस्थितियों को छोड़कर सोना नहीं खरीदने का भी सामूहिक संकल्प लिया. वैश्विक चुनौतियों और बदलते आर्थिक माहौल के बीच केंद्र सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह संदेश दे रही है कि राष्ट्रहित में संयम और बचत की शुरुआत सरकार खुद से



करेगी. इसी दिशा में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कृषि विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, कृषि शिक्षा और भूमि संसाधन विभाग के अधिकारियों के साथ विस्तृत बैठक कर कई ऐसे फैसले किए, जो शासन, समाज और कृषि- तीनों स्तरों पर सकारात्मक असर डालने वाले हैं.

कृषि भवन, नई दिल्ली में आज आयोजित इस बैठक में सबसे महत्वपूर्ण संदेश उस समय उभरा, जब अधिकारियों ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह के आह्वान पर सामूहिक रूप से यह फैसला किया कि अगले एक वर्ष तक, केवल बेटी की शादी या किसी विशेष अपरिहार्य पारिवारिक अवसर जैसी परिस्थितियों को छोड़कर, वे सोना नहीं खरीदेंगे.

बैठक में यह भी तय किया गया कि लगभग 20 प्रतिशत कर्मचारियों के लिए रोटेशन के आधार पर वर्क फ्रॉम होम व्यवस्था लागू की जाएगी. हालांकि इसके साथ यह भी कहा गया है कि फाइल निस्तारण, बैठकों, समन्वय, राज्य-संबंधी कार्य और नियमित कार्यालयीन कामकाज पर कोई असर नहीं पड़ना चाहिए. घर से काम करने वाले कर्मचारी फोन, ईमेल, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और ई-ऑफिस के माध्यम से उपलब्ध रहेंगे.

समाचार विशेष

प्रथम पृष्ठ का शेष

घोटालों से बचकर रहें

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और पार्टी के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह ने नव नियुक्त अध्यक्ष, अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों को क्लास ली. इस दौरान सभी नव नियुक्त अध्यक्ष कागज-पेन लेकर बैठे थे और नसीहतों को नोट भी कर रहे थे. इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सहित तीनों ही बड़े पदाधिकारियों ने पीएम की अपील के बाद भी शक्ति प्रदर्शन के लिए वाहनों का लंबा कॉफिला निकालने के लिए उन्हें आड़े हाथों लिया. उन्होंने कहा कि क्या वे ऐसा प्रदर्शन कर बहुत बड़े नेता बन जाएंगे, क्या उनको प्रदेश और क्षेत्र में धमक बढ़ जाएगी? क्या लोगों के मन में उनके प्रति सम्मान बढ़ा जाएगा? इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि अब यदि जिम्मेदारी मिली है तो सोच-विचार कर ही अपने सहयोगी रखें. फिजूल के प्रचार और अनावश्यक चीजों से भी बचना है. कदाचार पर सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति है.

वी.डी. सतीशन बने केरल के 13वें मुख्यमंत्री

कैबिनेट में महिलाओं और अनुसूचित जातियों का विशेष प्रतिनिधित्व रखा गया. कैबिनेट में 14 नए चेहरे शामिल हैं. सतीशन पहले 2001 से पारावूर से विधायक हैं, लेकिन पहली बार मुख्यमंत्री बने हैं. नए मंत्रियों में सी.पी. जॉन, एन. शमसुद्दीन, के.एम. शाजी, पी.के. बंशीर, वी.ई. अब्दुल गफूर, पी.सी. विष्णुनाथ, रोजी एम. जॉन, बिंदु कृष्णा, टी. सिद्धीकी, के.ए. थुलसी और ओ.जे. जनीश शामिल हैं। सतीशन ने रविवार को मंत्रियों की अंतिम सूची राज्यपाल को सौंप दी थी. शपथ ग्रहण के बाद विभागों का विवरण औपचारिक रूप से राज्यपाल को सौंपा जाएगा.

महाराष्ट्र में बन रहे नए समीकरण ?

शरद पवार से मिले सुनील तटकरे, राजनीतिक चर्चाएं तेज



मुंबई. महाराष्ट्र की राजनीति से एक बड़ी खबर सामने आई है. राष्ट्रवादी कांग्रेस (एनसीपी) के प्रदेशाध्यक्ष सुनील तटकरे वरिष्ठ नेता शरद पवार से मिलने पहुंचे. मुंबई स्थित 'सिल्वर ओक' निवास पर तटकरे ने शरद पवार से मुलाकात की.

हाल ही में राष्ट्रवादी कांग्रेस में चल रही राजनीतिक हलचलों और राष्ट्रीय कार्यकारिणी की सूची की तटकरे का नाम नहीं होने की खबरों के बाद इस मुलाकात को खास महत्व दिया जा रहा है. बताया जा रहा है कि राष्ट्रवादी कांग्रेस में विभाजन के बाद सुनील तटकरे की

शरद पवार से यह पहली मुलाकात है. एक तरफ राष्ट्रवादी कांग्रेस के विलय की चर्चाएं चल रही हैं. वहीं, दूसरी तरफ ऐसी खबरें सामने आ रही थीं कि सुनील तटकरे और प्रफुल्ल पटेल इस विलय के विरोध में हैं. इसी बीच आज तटकरे ने शरद पवार से मुलाकात की.

सुनील तटकरे ने कहा कि शरद पवार की तबीयत पिछले कुछ दिनों से ठीक नहीं थी, इसलिए उन्होंने उनसे मिलने के लिए समय मांगा था. सुनील तटकरे ने जवाब दिया कि आज समय मिलने पर वो उनसे मिलने पहुंचे. तटकरे ने स्पष्ट किया कि इस मुलाकात के पीछे कोई राजनीतिक कारण नहीं है और इसमें कोई राजनीति नहीं है.

विशेष बिहार में अब राजद के साथ कांग्रेस का गठबंधन ज्यादा दिनों का मेहमान नहीं

डीएमके के बाद राजद से रिश्ते खत्म की तैयारी

पटना. बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के चुनाव परिणाम के बाद ही तमिलनाडु की राजनीति के बदले एंगल की पटकथा लिख दी गई थी. कांग्रेस के सूत्र बताते हैं कि बिहार में मिली करारी हार के बाद ऐसा लगा कि सहयोगी पार्टियां (राजद) ही कांग्रेस के साथ छल कर रही हैं.

इस कड़वाहट के साथ तमिलनाडु में कांग्रेस द्रमुक के साथ चुनाव लड़ी जरूर पर परिणाम की घोषणा के तुरंत बाद डीएमके के साथ गठबंधन तोड़ दिया. इसके बाद कांग्रेस अभिनेता से नेता बने एक्टर जोसेफ विजय की पार्टी टीवीके के साथ चल दी.

बिहार में राजद पर भड़की कांग्रेस-



साल 2025 के विधानसभा चुनाव होने के पहले कांग्रेस के राजकुमार राहुल गांधी ने एकला चलो के संदेश के साथ कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लवर और कन्हैया कुमार को बिहार में उतारा. इन दोनों नेताओं न केवल राजद से, बल्कि राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव से भी दूरी बनाए रखी.

कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लवर सारे कार्यक्रम सदाकत आश्रम से करने लगे. अपने कार्यक्रम और अपने निर्णय को सदाकत आश्रम से ही करते रहे, लेकिन इनके निर्णय पर राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की छाया तक नहीं पड़ने दी गई. कृष्णा अल्लवर ने राजद की बी टीम के

नाराज नेताओं ने कांग्रेस की मुहिम को लगाया पलीता

कांग्रेस के सूत्र बताते हैं कि इस बीच कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेताओं ने सोनिया गांधी से मुलाकात कर कृष्णा अल्लवर और कन्हैया कुमार के अभियान को बंद कराया और फिर से कांग्रेस-राजद के पुराने संबंध को जीवित कर दिया. इस तरह से सारी कोशिश बेकार गई और एक फिर कांग्रेस राजद की कटौत की दिशा में चल लड़ी. बिहार के इंडिया गठबंधन में निर्णायक राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह करने लगे. नवंबर 2025 में जब बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे आए तो राजद तो राजद, कांग्रेस भी औंधे मुंह उलट गई. कांग्रेस ने 61 सीटों पर चुनाव लड़ा और सिर्फ 6 सीटों पर जीत पाई.

जवाब में चुनाव के ठीक पहले एयरपोर्ट पर यहां तक कह दिया था कि कांग्रेस जनता की ए टीम है. कृष्णा अल्लवर की ये सारी गतिविधियां इतना जवाने के लिए काफी थीं कि वो अब राजद की छाया से बाहर निकलना चाह रही है. वो अब राजद की बी टीम बन कर नहीं रहेगी. लेकिन उनके इस निर्णय से कांग्रेस के पुराने नेता खार खा गए. इन पुराने नेताओं का मानना था कि

लालू प्रसाद यादव से अलग हो कर कांग्रेस की राजनीति बिहार में संभव नहीं है. कृष्णा अल्लवर राजद से जुड़े तमाम कांग्रेस के करीबी नेताओं को कांग्रेस की नीतियों से अलग रखने लगे. राजद को बगैर साथ थिए अभियान भी चलाए. पुराने नेता नाराज थे लेकिन कांग्रेस के युवा कार्यकर्ता कृष्णा अल्लवर और कन्हैया कुमार के इस पहल से खुश दिखने लगे.